

निश्चित होने पर अपनी मर्यादा रक्षण हेतु जलती चिता में कूदकर प्राण-त्याग देती थीं ।

जौहरी पुं. (फा.) 1. बहुमूल्य नगी, पत्थरों, हीरे-जवाहरात के विक्रेता व्यक्ति 2. रत्न-पारखी व्यक्ति, परखैया 3. गुणग्राहक 4. कद्रदान।

ज्ञ ज और ज के योग से बना हुआ एक अक्षर, जिसका उच्चारण 'ग्य' होता है **वि.** (तत्.) 1. ज्ञाता, ज्ञानकार, विज्ञ, बुद्धिमान, विद्वान 2. ज्ञानस्वरूप 3. बुध पुं. विज्ञ व्यक्ति, विद्वान मानव, बुद्धिमान व्यक्ति, ब्रह्म जैसे- शास्त्रज्ञ, संस्कृतज्ञ।

ज्ञप्त **वि.** (तत्.) जताया हुआ, ज्ञापित, सूचित।

ज्ञप्ति स्त्री. (तत्.) 1. जानकारी, ज्ञान 2. बुद्धि 3. तुष्टि 4. स्तुति 5. प्रकटीकरण 6. कोई बात जतलाने या जानकारी प्राप्त करने की क्रिया या भाव।

ज्ञात **वि.** (तत्.) जो जाना हुआ हो, विदित, अवगत, मालूम।

ज्ञातजौवना **वि.** (तद्.) दे. ज्ञातयौवना।

ज्ञातनंदन पुं. (तत्.) जैनियों के एक तीर्थंकर, महावीर स्वामी का एक नाम।

ज्ञातयौवना स्त्री. (तत्.) वह नायिका जिसे अपने युवती होने का आभास या ज्ञान होने लगा हो, नवोढ़ा, मुग्धा नायिका।

ज्ञातव्य **वि.** (तत्.) 1. जो जानने के योग्य हो, जानने योग्य 2. ज्ञेय 3. बोधनीय 4. वेद्य।

ज्ञाता **वि.** (तत्.) ज्ञानकार, ज्ञानकारी रखने वाला पुं. ज्ञानकार व्यक्ति, ज्ञानी, बुद्धिमान व्यक्ति।

ज्ञाति पुं. (तत्.) 1. ऐसे संबंधी जिनके पुराने पूर्वज एक ही हों 2. एक गोत्र या वंश से संबंधित, भाई-बंधु, गोती भाई।

ज्ञातृत्व पुं. (तत्.) ज्ञानकारी, अभिज्ञता, ज्ञाता होने का भाव।

ज्ञातेय पुं. (तत्.) एक कुल या वंश का होना।

ज्ञान पुं. (तत्.) बोध, जानकारी, प्रतीति मुहा. ज्ञान बघारना (छाँटना)- अपनी विद्या, जानकारी पर

घमंड करते हुए बढ़-बढ़कर बातें करना। जैसे- यथार्थ ज्ञान, तत्त्व ज्ञान (आत्म-ज्ञान)।

ज्ञान कांड पुं. (तत्.) 1. चारों वेदों में बिखरी हुई ईश्वर, जीव, आत्म और अनात्म तत्त्व, सृष्टि, ब्रह्म, विश्वविधान, प्रलय, इहलोक और परलोक तथा जन्म-मृत्यु आदि तात्त्विक बातों की गंभीर विवेचनाओं विषयक महर्षि बादरायण व्यास द्वारा किया हुआ संग्रह, उत्तर मीमांसा 2. कर्मकांड अतिरिक्त वैदिक विवेचन।

ज्ञानगम्य **वि.** (तत्.) जो ज्ञान की पहुँच के योग्य हो, ज्ञानगोचर, ज्ञान से जानने योग्य पुं. परमात्मा, ब्रह्म।

ज्ञानगर्भ **वि.** (तत्.) ज्ञान से परिपूर्ण, ज्ञान से भरा हुआ।

ज्ञानगोचर **वि.** (तत्.) ज्ञानगम्य, ज्ञानेन्द्रियों से जानने योग्य।

ज्ञानधन **वि.** (तत्.) ज्ञानी, तत्त्वज्ञ, तत्त्वविद।

ज्ञान चक्षु पुं. (तत्.) 1. अंतर्दृष्टि, ज्ञाननेत्र 2. ज्ञान की आँखों से देखने वाला।

ज्ञानत **क्रि.वि.** (तद्.) 1. जानबूझकर 2. जानकारी में 3. समझ-बूझ कर।

ज्ञानतपा **वि.** (तद्.) ज्ञान के लिए तप करने वाला।

ज्ञानदा स्त्री. (तत्.) सरस्वती, ज्ञानदायिनी।

ज्ञानदाता पुं. (तत्.) ज्ञान देने वाला मनुष्य, देवता, गुरु, गणेश, ईश्वर।

ज्ञानदात्री **वि.** (तत्.) ज्ञान देने वाली स्त्री. सरस्वती, ज्ञानदायिनी।

ज्ञानधाम **वि.** (तत्.) परम ज्ञानी, ज्ञान का भंडार, अमित ज्ञान वाला पुं. अमित या परम ज्ञानी व्यक्ति।

ज्ञाननिष्ठ **वि.** (तत्.) 1. तत्त्वज्ञानी, ज्ञानी, परमज्ञानी 2. ज्ञान-प्राप्ति में ही जिसकी निष्ठा हो।

ज्ञान पिपासा स्त्री. (तत्.) ज्ञान प्राप्त करने की प्रबल इच्छा, ज्ञान की प्यास।

ज्ञान पिपासु **वि.** (तत्.) ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला, जिज्ञासु।